सौर ऊर्जा के जरिये 30 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार से जोड़ने की तैयारी

वर्ष 2027 तक 22 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन का बनाया लक्ष्य

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में सौर ऊर्जा के जरिये 2027 तक 22 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य है। साथ ही सरकार ने 30 हजार युवाओं को इस क्षेत्र में रोजगार दिलाने की रणनीति बनाई है। इसके लिए उप्र. नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास प्राधिकरण (यूपीनेडा) राष्ट्रीय लघु उद्यमिता व लघु व्यवसाय संस्थान कौशल विकास मंत्रालय के साथ काम कर रहा है।

राज्य सरकार सौर ऊर्जा के माध्यम से न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है, बल्कि युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार और कौशल विकास से भी जोड़ने का खाका तैयार किया है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2027 तक राज्य में 30 हजार युवाओं को स्टॉलेशन टेक्नीशियन, सोलर पैनल मेंटेनेंस इंजीनियर, साइट सुपरवाइजर जैसे तकनीकी पदों पर युवाओं को नियुक्त किया जाए।

आवासीय सोलर रूफटॉप से 4500 मेगावाट बिजली उत्पादन का अनुमान

22 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन लक्ष्य के तहत सोलर रूफटॉप (आवासीय) के लिए 4500 मेगावाट, सोलर रूफटॉप (अनावासीय) के लिए 1500 मेगावाट, पीएम कुसुम योजना के लिए 2000 मेगावाट और यूटिलिटी स्केल सोलर में सर्वाधिक 14,000 मेगावाट का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।